

डुकूल *n.* 1) sericum textum. AM. 2) vestis serica. BHAR. 3.54. डुध *n.* (*Part. pass.* a r. डुहू s. त) lac. BHAR. 2. 15. (Lat.

LACT, cuius *a* respondet seto स्रा = *a + u*, abjecto *u*; e. c. in infin. दोधुम्; gr. ΓΑ-ΛΑΚΤ *v.* गो.)

डुन्डभि *m.* tympanum.

डुर् *v.* डुस्.

डुरत्यय (e डुस् et अत्यय a r. इ praeſ. अति transgredi, s. अ) difficultis transgressu (v. gr. 645. s. म्र). BH. 7.14.

डुरात्मन् (BAH. e डुस् et आत्मन् anima, animus) pravam animam habens. IN. 2.6. BR. 2.13.

डुरासद (e डुस् et आसद, a r. सद् praeſ. आ adire, s. म्र) difficultis aditu (v. gr. 645. s. म्र). DR. 8.37. A. 3.55.

डुरित *n.* (KARM. e डुस् et इत a r. इ ire) peccatum, scelus. HIT. 31.20. RAGH. 8.2. 17.74.

डुर्ग (e डुस् et ग a r. गा ire, s. म्र) *Adj.* difficultis accessu, impervius. N. 12.88. *Subst. n.* 1) locus difficultis accessu, impervius. H. 2.30. 2) urbs munita, arx. 3) difficultas, labor, aerumna. BR. 3.5.

डुर्गति (e डुस् et गत a r. गम्) pauper, egens, inops. HIT. 11.17.

डुर्गति *f.* (KARM. e डुस् et गति *f.* itio, iter) malum iter, Tartarus (AM.). BH. 6.40.

डुर्णीत *n.* (KARM. e डुस् et नीत a r. नी, cf. gr. 94^b) malefactum. HIT. 17.1.

डुर्दिन *n.* (KARM. e डुस् et दिन dies) imber, procella, tempestas. RAGH. 4.41.82.

डुर्धर्ष (e डुस् et धर्ष a r. धृष् opprimere, vincere, s. म्र) difficultis oppressu, victu (v. gr. 645. s. म्र). A. 10.10.

डुबलि (BAH. e डुस् et बल vis, robur) debilis. DR. 5.13.

डुर्छिदि *m.* (BAH. e डुस् et बुद्धि mens, intellectus) pravam, stultam mentem habens. H. 1.45.

डुर्भिक्ति *n.* (BAH. e डुस् et भिक्ता fames) fames, Hungersnoth. HIT. 102.5.

डुर्मति (BAH. e डुस् et मति *f.*) pravam intelligentiam habens, stultus. H. 1.46.3.17.

डुर्मद (BAH. pravam ebrietatem habens, e डुस् et मद ebrietas) ebrius, furiosus. A. 8.11.

डुर्मेध (BAH. e डुस् et मेधा mens, intellectus) pravum intellectum habens, stultus. BR. 1.21.

डुर्लभ (e डुस् et लाम a r. लम् s. म्र) difficultis ad adipiscendum (v. gr. 645. s. म्र). IN. 1.15. BH. 6.42.

डुर्वि *1. p.* (हिंसायाम् x. वधे r.) laedere, ferire, occidere. (Cf. तुर्वि, धुर्वि; lith. *durrū* pungo; heb. *durb* «a distemper, a disease».)

डुर्वृत्ति (BAH. e डुस् et वृत्ति *n.* factum, vitae ratio) pravam vitae rationem habens. H. 4.4.

डुल् *10. p.* tollere, jacere, conjicere. अक्षान् दोलितुम् talos jacere. BHAR. 3.43.

डुष् *4. p.* 1) peccare. MAN. 5.32.: खादन् मांसन् न डुष्यति; 8.349.: ब्लन् धर्मेन न डुष्यति. डुष्ट improbus. N. 11.35. H. 2.27. 2) vitiari, contaminari. MAH. 3.7802.: धर्मो न डुष्यति. ATM. MAH. 1.2405.: त्वत्संयोगाच्च डुष्येत कन्याभावो ममा 'नघ. — *Caus.* (दूषयामि gr. 524.) 1) corrumpere, vitiare, foedare, dedecare. HIT. 96.1.: दूषयेद्या 'स्य सततं यवसानोदकेन्धनम्; MAN. 8.364.: यो इकामान् दूषयेत् कन्याम्; H. 4.5.: नै 'षा दूषयते कुलम्; HIT. 55.4.: साध्वसद्धृषितच्छद्य; R. Schl. 59.17.; MAH. 2.21331. 2) offendere, offensionem alicui afferre, injuriam inferre. R. Schl. II. 74.3.: किन्तु ते दूषयद् रजा रमो वा भृशधार्मिकः. (Cf. डुस्, द्विष्.)

c. अभि *Caus.* laedere, ferire. DEV. 8.37.: असुराः शिवदूत्यभिदृषिताः पेतुः पृथिव्याम्.

c. प्र 1) peccare. MAH. 3.13815. 2) vitiari, corrupti stupro. MAN. 11.177. BH. 1.41.

c. प्र praef. वि id. signf. 2. MAN. 11.176.

c. प्र praef. सम् peccare, criminе contaminari. MAH. 2.2397.

c. प्रति *Caus.* corrumpere, contaminare. MAN. 4.65.

डुष्कर (e डुष् pro डुस् (euph. r. 101^b.) et कार a r. कृ s. म्र) difficultis factu. BR. 1.10. N. 15.4.17.

डुष्कृत् (e डुस् et कृत् faciens, v. euph. r. 101^b.) maleficus, sceleratus. BH. 4.8.